

देश का पहला ईको फ्रेंडली एयरपोर्ट, परिसर में 133 हेक्टेयर में विकसित किया हरित क्षेत्र

रोहित शर्मा

यमुना सिटी। नोएडा एयरपोर्ट देश का पहला पूरी तरह से ईको फ्रेंडली होगा। एयरपोर्ट परिसर के अंदर 133 हेक्टेयर भूमि में हरित क्षेत्र बनाया गया है। जिससे एयरपोर्ट में आने वाले देशी और विदेशी नागरिकों को स्वच्छ वातावरण का पूरा अनुभव होगा।

एयरपोर्ट को कुल 5428 हेक्टेयर में विकसित किए जाने की परियोजना है, जो चार चरण में पूरी होगी। पहले चरण में 1334 हेक्टेयर भूमि को अधिग्रहित किया गया था, जिसमें इसे शुरू किया जा रहा है। एयरपोर्ट को आगामी 100 सालों की भविष्यवादी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। एनसीआर में बढ़ते वाहनों की संख्या और लगातार विकसित हो रही इंडस्ट्री के कारण इस क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ रहा है।

प्राधिकरण ने 600 पेड़ कराए थे शिफ्ट : एयरपोर्ट का निर्माण शुरू होने के वक्त निर्माण स्थल पर 550-600 पेड़ थे। प्राधिकरण ने प्राकृतिक का ध्यान रखते

नोएडा एयरपोर्ट आने वाले लोगों को मिलेगा प्राकृतिक माहौल और स्वच्छ वातावरण

600

से ज्यादा पेड़ों को निर्माण के समय अथॉरिटी ने कराया था शिफ्ट

प्राकृतिक तालाब किया गया विकसित

दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में अंडर ग्राउंड वाटर लेवल तेजी से गिरता जा रहा है। अंडर ग्राउंड वाटर लेवल को रिचार्ज करने के लिए एयरपोर्ट परिसर के अंदर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी तैयार किए गए हैं। इसके साथ ही यहां प्राकृतिक तालाब भी विकसित हैं। जिससे बारिश के पानी को संचयित किया जा सके और इसका इस्तेमाल हो सके।

रिन्यूएबल एनर्जी का भी होगा इस्तेमाल : उद्घाटन के बाद एयरपोर्ट को संचालित करने के लिए बिजली की जरूरत है। इससे होने वाले कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने के लिए पहले दिन से परिसर में रिन्यूएबल एनर्जी का इस्तेमाल किया जाएगा। एयरपोर्ट के लिए बिजली की जरूरत को सौर और पवन ऊर्जा से तैयार की जाएगी। परिसर में सोलर पैनल लगे हुए हैं। वहीं एयरपोर्ट के जरिए पवन चक्कियां भी स्थापित की गई हैं। जिनके जरिए बिजली बनाई जा रही है। 50 प्रतिशत जरूरत रिन्यूएबल एनर्जी से पूरी की जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण में भविष्य की सारी जरूरतों का ध्यान रखा गया है। निर्माण के दौरान ही इसे प्रकृति से जोड़ने पर पूरा ध्यान दिया गया है। -शैलेंद्र भाटिया,

एसीईओ, यमुना प्राधिकरण व नॉडल अधिकारी (एयरपोर्ट)

हुए इन पेड़ों को कटवाने के बजाय इन्हें के अंदर विकसित किए गए हरित क्षेत्र में दूसरे स्थानों पर शिफ्ट कराया था। परिसर सभी पेड़ शिफ्ट किए गए थे।